Lect.-23

Micro Economics

Date :- 27.04.20

कीमत रेखा या बजट रेखा (price line or budget line)

B.A. (Hons)

Dr. Dineshwar Paswan
Assist. professor
Deptt. of Economics
MLS College, Sarisab-pahi, (Madhubani)
mob. — 9973572631

(price line or budget line) :— कीमत रेखा या बजट रेखा :— कोई उपभोक्ता दो वस्तुओं के भिन्न-भिन्न संयोगों को खरीद सकता है। यह उसकी मौद्रिक आय और दोनों वस्तुओं की कीमतों पर निर्भर करता है। प्रो० फर्गुसन के अनुसार, "कीमत रेखा वह रेखा है जो वस्तुओं के उन संयोगों को प्रकट करती है जिन्हें सारी मौद्रिक आय को खर्च करके खरीदा जा सकता है।" अर्थात् "The price line shows the combination of goods that can be puchased if the entire money income is spent." ← according to Ferguson।

अन्य शब्दों में, "कीमत रेखा दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को व्यक्त करती है जो उपभोक्ता अपनी दी हुई आय एवं वस्तुओं की वर्तमान कीमत के आधार पर खरीद सकता है।"

कीमत रेखा तालिका (price line schedule) – मान लीजिए उपभोक्ता (Income of consumer) की आय 10 रुपये है और सेब की कीमत 40 पैसे प्रति इकाई और संतरे की कीमत 10 पैसे प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता अपनी समस्त आय केवल सेब खरीदने में खर्च करता है तो वह 25 से (40×25 = 10 रु० में) खरीद सकेगा। इसके विपरीत; वह अपनी समस्त आय केवल संतरे पर खर्च करता है तो वह इससे 100 संतरे (10 पैसे × 100 संतरे = 10 रु०) क्रय कर सकेगा। अथवा उपभोक्ता 25 सेब और 100 संतरों के बीच बनने वाले अनेक संयोगों में से कोई भी संयोग क्रय कर सकता है। निम्न तालिका सेब और संतरों के बीच बन सकने वाले विभिन्न संयोगों को बता रही है जोकि उपभोक्ता 10 रु० में क्रय कर सकता है

⟶ ⟶

P.T.O

Scanned with CamScanner

सारणी 4 – वैकल्पिक उपभोग सम्भावनाएँ

वस्तु		वस्तु पर किया गया कुल व्यय	
सेब	संतरा	सेब 40 पैसे प्रति + संतरा 10 पैसे प्रति	कुल व्यय
25	0	10+0	10 रु०
15	40	6+4	10 रु०
10	60	4+6	10 रु०
05	80	2+8	10 रु०
0	100	0+10	10 रु०

रेखा चित्र द्वारा स्पष्टीकरण : चित्र-13 में RS रेखा सेबों और संतरों के उन सभी वैकल्पिक संयोगों को बताती है जिन्हें उपभोक्ता 10 रु० से क्रय कर सकता है। उदाहरणार्थ, चित्र में RS रेखा पर A बिन्दु यह व्यक्त करता है कि एक दी हुई कीमत पर उपभोक्ता एक दी हुई आय (10 रु०) से 10 सेब और 60 संतरे खरीद सकता है अथवा C बिन्दु के अनुसार वह 15 सेब और 40 संतरे क्रय कर सकता है।

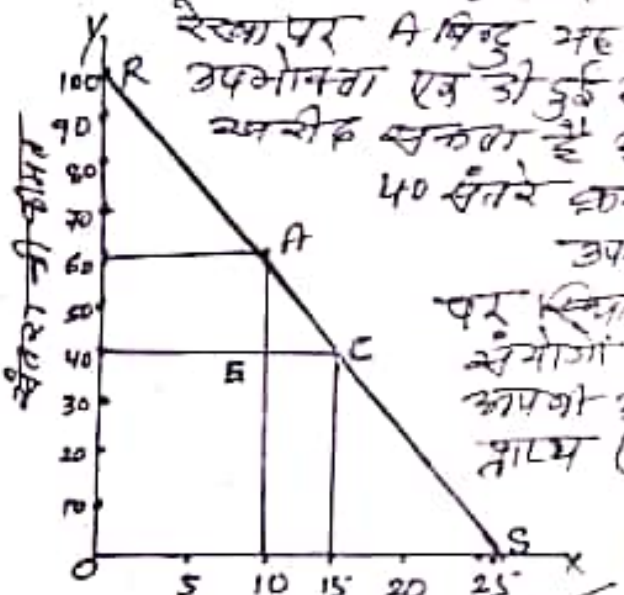

चित्र-13 सेब की कीमत

उपर्युक्त उदाहरण से स्पष्ट है कि कीमत रेखा पर स्थित कोई भी बिन्दु सेब और संतरे के ऐसे संयोगों को व्यक्त करता है जिन्हें उपभोक्ता अपनी आय से खरीद सकता है। कीमत रेखा केवल प्राप्य (Attainable) संयोगों की रेखा है।

प्रो० सैम्युलसन ने कीमत रेखा को 'उपभोग सम्भावना रेखा' कहा है क्योंकि कीमत रेखा से यह पता चलता है कि एक निश्चित कीमत और आय स्तर पर उपभोक्ता के लिए दोनों वस्तुओं की कितनी-कितनी मात्रा का उपभोग संभव है।

प्रो० स्टिग्लर ने कीमत रेखा (price Line) को बजट रेखा (Budget Line) कहा है। क्योंकि कीमत रेखा संतरों की तथा सेब की मात्रा से बनती है, इसलिए कीमत रेखा का ढाल या झुकाव उसके द्वारा प्रकट की गई दोनों वस्तुओं सेब तथा संतरों की कीमतों के अनुपात को प्रदर्शित करता है अर्थात

$$\text{कीमत रेखा का ढाल या झुकाव} = \frac{OR}{OS} = \frac{100 \text{ संतरे}}{25 \text{ सेब}} = 4$$

∴ दूसरे शब्दों में, सेब की कीमत संतरे की कीमत से चार गुना ज्यादा है।

इस प्रकार कीमत रेखा का ढाल या झुकाव दोनों वस्तुओं की कीमत अनुपात के बराबर होना चाहिए। अर्थात

$$\text{कीमत रेखा का ढाल} = \frac{X \text{ वस्तु की कीमत}}{Y \text{ वस्तु की कीमत}} = \frac{\text{सेब की कीमत}}{\text{संतरे की कीमत}} = \frac{40 \text{ पैसे}}{10 \text{ पैसे}}$$

उत्तर, ④ पैसे है